ओम शांति।

बाबा ने आज हम सबको कहा, "सर्व खजाने देने आया हूँ।" संसार में तो केवल धन को ही खजाना मानते हैं, पर बाबा हमें दे रहा है शक्तियों का खजाना, और एक बहुत बड़ा खजाना जिस पर सभी को बहुत गौर करना है– महान संकल्पों का खजाना। सबके जीवन में खुशियां भर गई हैं, देखो कितना वंडरफुल खेल है। बाबा स्वयं भगवान, खुदा दोस्त बनकर, हमारा परम मित्र बनकर, हमारी जीवन की यात्रा में हमारा साथी बन गया है। सभी अपने को इस खुशी और नशे में ले आएँ, अपने भाग्य को स्मृति में लाएँ। कभी सोचा नहीं था कि उनके इतने समीप आ जाएँगे, उनसे बातें किया करेंगे, उनकी पालना में पलेंगे, उनकी छत्रछाया में निश्चिंत रहेंगे। तो हमें बाबा से सर्व खजानों से झोली भरनी है। याद रखेंगे, बाबा के ही महावाक्य और हम सब जानते हैं, "संगम युग की हर प्राप्ति चारों युग चलती है।" यहीं के लिए नहीं है, चारों युग चलेगी, बीज डाल रहे हैं हम सभी। मैं एक बात आप सबके ध्यान में दिलाऊँ, मनुष्य के लिए एक बहुत सुंदर प्राप्ति होती है हर जीवन में कि उसकी बुद्धि बहुत श्रेष्ठ हो। बुद्धि विशाल, श्रेष्ठ, बहुत अच्छी बुद्धि, शार्प इंटेलेक्ट। हर जन्म

में इसकी हमें जरूरत रहेगी। बुद्धि का वरदान बाबा इस समय हमें दे रहे हैं, रोज मुरली से, और हमारा काम है– ध्यान से सुनेंगे–बुद्धि को स्वच्छ करना, निर्मल करना। जो लोग, जो भाई-बहने, अपनी बुद्धि में इधर-उधर की बहुत सारी बातें भर कर रखते हैं, तेरी-मेरी, बहुत सारे व्यर्थ के क्वेश्चन्स, क्या-क्यों , उनको बुद्धि का श्रेष्ठ वरदान नहीं मिलता। बुद्धि बाबा को समर्पित कर दी, अर्थात बुद्धि में वो भर दिया जो बाबा भर रहे हैं, तो ये बुद्धि अविनाशी बनकर जन्म-जन्म हमें साथ देगी। चलें अब, पहला अभ्यास जो रोज मुरलियों में आता है, "मैं चमकती तेजस्वी आत्मा," केवल बिंदु नहीं देखेंगे अपने को, मुझसे बहुत सारा तेज फैल रहा है, भृकुटी की कुटिया में, मस्तक सिंहासन पर। मैं राजा , स्वराज्य अधिकारी, खुद का मालिक। बैठ जाएँ इस आसन पर, सिंहासन पर। बहुत तेजस्वी। ईश्वरीय शक्तियों से भरपूर हूँ, संकल्प भर दें अपने अंदर, उसका परम तेज मुझमें समाया हुआ है, उसकी संपूर्ण शांति से मैं भरपूर हूँ, पवित्रता का बल मेरे पास है। अपने चारों ओर देखें, बहुत पावरफुल आभामंडल, ओरा। मैंने इस देह में प्रवेश किया है, सुंदर संकल्प करें, ऐसे अनेक शरीर लिए हैं और छोड़े हैं, अब इस अंतिम जन्म में भगवान का साथ

मिला, मेरे जैसा भाग्यवान कोई नहीं। ओम शांति। हमें अपने जीवन को महान बनाने के लिए, स्थिति को महान बनाने के लिए, खुद से रोज बातें करनी होती हैं, अपने टीचर स्वयं बन जाएँ सभी , अपने से बहुत अच्छी-अच्छी बातें करें, सभी बैठ जाएँ, पीछे वालों को डिस्टर्ब हो रहा है, सभी बैठ जाएँ। मुझे बाबा से सब कुछ लेना है, भक्ति में माँगते रहे, कुछ मिलता था, कुछ नहीं, अब उसकी संपूर्ण संपदा पर हमारा अधिकार है, आप कहेंगे अधिकार का क्या करें, अपने को इस बहुत अच्छे नशे में ले आएँ सभी, मेरे साथ-साथ अभी, हम सब एक छोटी सी बात मुख से बोला करते हैं, मेरा बाबा। सबके मुख पर आ गया है, बहुत अच्छी बात है, भगवान को अपना बना लिया, मेरा पन बढ़ाते चलें, ये गहरी बात है, जो ग्रस्त वाले यहाँ बैठे हैं वो जानते हैं, आपके मन में अपने बच्चों से कितना अपनापन होता है, भगवान से अपनापन, वो मेरा है, उस पर मेरा अधिकार है, इस चिंतन को बढ़ाते चलें, अधिकार की फीलिंग, अधिकार की भावना पर चिंतन करते हुए, उसको अपने अंदर समाते रहें, और जब वो मेरा है, तो उसका सब कुछ भी मेरा है, बहुत अच्छी तरह इस पर चिंतन करेंगे, अपनी स्थिति को महान बनाने के लिए, सभी, मैं आपको पहले ही एक चीज

कह दूँ, जिसको हम आगे लेकर चलेंगे, सभी देख रहे हैं कि ये संसार विनाश की तरफ तेजी से बढ़ने लगा है, लेकिन विनाश के साथ-साथ एक दूसरा भी सुंदर पाठ है ना इस दृष्टि पर, जय जयकार का, एक तरफ हाहाकार, दूसरी तरफ जय जयकार , जिन्होंने अपने को, अटेंशन से सुनेंगे, ज्ञान के बल से भरपूर किया है, ज्ञान बल, योग के बल से संपन्न किया है, पवित्रता के बल को सर्वोच्च स्थिति पर ले गए हैं, पुण्यों का खजाना बहुत जमा कर लिया है, वो आने वाले काल में हीरो पार्ट बजाएँगे, क्योंकि दो खेल चलेंगे, बहुत आत्माएँ साक्षात्कार करेंगी, और कुछ आत्माएँ साक्षात्कार कराएँगी, वो होंगे हीरो एक्टर, सभी अपने को तैयार करें, मुझे इस ड्रामा का हीरो एक्टर बनना है, देने का समय तेजी से आ गया, अभी बाबा कहते हैं देते चलो, लेकिन बहुत कुछ देना पड़ेगा, और देंगे वही, जिन्होंने स्वयं को इन चारों खजानों से भरपूर किया है, ज्ञान बल, योग का बल, पवित्रता का बल, और पुण्य कर्मों का बल, पुण्यों की परिभाषा, बहुत सब जान गए होंगे, भक्ति में तो दान कर दिया, किसी को भोजन खिला दिया, कुछ छोटे-मोटे कपड़े, कंबल दे दिए, लोग समझते हैं ये पुण्य हैं, हैं वो भी, लेकिन इधर बाबा ने पुण्यों की परिभाषा बहुत

गहरी कर दी है, सबको सुख देना, सबको दुआएँ देना, दूसरों के कष्ट हरना, उनको समस्याओं से मुक्त करना, योग के वाइब्रेशन्स देना, पवित्र बनाना, ये सबसे बड़े पुण्य हैं, तो दोनों खेल चलेंगे अब, जय जयकार और हाहाकार का, और याद रखेंगे, बाबा के महावाक्य याद दिला दूँ, क्योंकि जब तक अगला सीजन आएगा, संसार की, भारत की क्या स्थिति होगी, वो तो हम सब साक्षी होकर देखेंगे, क्योंकि भारत में जो दो पार्ट चलने हैं, बहुत भयानक, आप उन्हें जानते हैं, अपने को, याद रखेंगे, बाबा के महावाक्य याद दिला रहा हूँ, जो बहुत पुराने हैं, जिनकी स्थिति अच्छी होगी, उन्हें कोई भी कमी नहीं पड़ेगी, जिनके पास पवित्रता का और पुण्यों का बहुत बल होगा, सभी पढ़े-लिखे भाई-बहने, अटेंशन से सुन लें, आपको बहुत काम आएगी, हमारी पवित्रता के तरंगे, हमारी योग की तरंगे, हमारी श्रेष्ठ स्थिति की तरंगे, विनाश की तरंगों को रोक देंगी, वापिस कर देंगी, आपके घर में, जहाँ आप रहते हैं, आपका कोई भी स्थान, अगर वहाँ के वाइब्रेशन्स बहुत सुंदर होंगे, तो वो विनाश के वाइब्रेशन्स को वापिस कर देंगे, रिपल्स कर देंगे, और सभी सेफ रहेंगे, बहुत बड़े-बड़े चमत्कारिक अनुभव, आने वाले समय में, बाबा के उन बच्चों को

होंगे, जिन्होंने बाबा के लिए कुछ किया है, जिन्होंने बाबा से बहुत प्राप्त किया है, और जो मोह-माया में उलझे रह गए, अटेंशन से सुन लेंगे, जिन्होंने कहीं भी अपने को उलझा दिया, अटका दिया, जो दुनिया की मारामारी में, इस भागदौड़ में, कंपटीशन में, और कंपैरिजन में, उलझ कर रह गए, वो खाली रह जाएँगे, इसलिए अंतर्मुखी होकर, बहुत अच्छा चिंतन करें, मुझे जय जयकार में हीरो पार्ट बजाना है, हम रोने वाले नहीं, रोतों को हँसाने वाले होंगे, हम दुखों में जीवन जीने वाले नहीं, दुखियों को नया जीवन देने वाले होंगे, संकल्प कर लो, सबसे पहली चीज सवेरा, अमृत वेला हम सबके लिए वरदान का समय होता है, बाबा अपने बच्चों को बहुत कुछ देते हैं, केवल उतना ही काफी नहीं है, मैं आपको एक-दो चीज विधि, एक-दो बात, विधि के रूप में कह रहा हूँ, सवेरे, मन पर कई चीजों का बुरा प्रभाव रहता है, नींद ठीक नहीं हुई, स्वप्न बहुत आए, भोजन हैवी हो गया था, कुछ गड़बड़ रही, कल कोई झगड़ा हो गया, कोई बात हो गई, कलयुग का इफेक्ट, वो मनुष्य के मन पर उठते ही हावी रहता है, सवेरे आँख खुलते ही, बाबा को गुड मॉर्निंग करने के बाद, सभी भाई-बहने इसकी प्रैक्टिस करेंगे, यह अव्यक्त बाबा की मुरलियों से है, आँख खुलते ही,

गुड मॉर्निंग करने के बाद, पहले तो फील करेंगे, हमने बाबा को गुड मॉर्निंग की, बाबा का वरदानी हाथ सिर पर आ गया, 15-20 सेकंड भी, हाथ सिर पर, दुआओं का हाथ सिर पर, वरदानी हाथ सिर पर, और उसके बाद, अपने पास 10-12 अच्छे स्वमान लिख कर रख लें सभी, और उठते ही, उन स्वमानों को याद करने लगें, ताकि मन को सुंदर काम मिल जाए, हमारा एक-एक संकल्प हमारे ब्रेन को चार्ज करता है, हमारा एक-एक महान संकल्प , बुद्धिमान सभी भाई-बहने ध्यान देंगे, हमारे एक-एक महान संकल्प का एसेंस, बुद्धि को डिवाइन बनाता है, इसलिए आँख खुलते ही, वो जो 10-12 स्वमान आपके पास हैं, चाहे रट लो उन्हें, सवेरे उठते ही याद कर लेना, चलेंगे कैसे करेंगे, अब प्रैक्टिस कर लेते हैं, सवेरे का समय है, ऐसा संकल्प करें, आँख खुली है, आँख खुलते ही, चाहे सामने देखें, चाहे सूक्ष्म लोक में बाप-दादा, और दिल से कहें, बाबा गुड मॉर्निंग नमस्ते, और बाबा का आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर आ गया, चिंतन शुरू करें, मैं इस संसार की सबसे भाग्यवान आत्मा हूँ, आँख खुलते ही प्रभु मिलन हो रहा है, मैं इस सृष्टि की महान आत्मा हूँ, जिसे भगवान ने अपने राज्य-भाग्य देने के लिए चुना है, मैं जन्म-जन्म की पुण्य आत्मा हूँ,

बाबा ने सिर पर हाथ रखकर मुझे अपनी सारी शक्तियाँ दे दी हैं, मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ, बाबा ने मेरी सोई हुई चेतना को जगा दिया है, मैं वही तो हूँ, जिनकी मंदिरों में पूजा हो रही है, मैं माया को जीतने वाली विजयी आत्मा हूँ, मुझे बाबा ने विश्व कल्याण का काम दिया है, शक्ति भी दी है, मैं विश्व कल्याणकारी हूँ, मैं मास्टर ज्ञान सूर्य हूँ, पवित्रता की देवी हूँ, पवित्रता का फरिश्ता हूँ, ओम शांति , इसको रिपीट भी कर सकते हैं, मन चार्ज हो जाए, ऐसा करने से मन-बुद्धि एकाग्र होंगी, और उसके बाद योग का बहुत ज्यादा सुख मिलेगा, बाबा से बातें होंगी, रोज सवेरे इसी तरह, बाबा से बातें करते हुए, उसको शुक्रिया करना है, बाबा के प्यार में अगर मगन होना है, तो बाबा को शुक्रिया करो, फिर से एक होमवर्क आपके लिए, शांत में बैठकर, आज, कल, परसों घर में, बाबा से मुझे क्या-क्या मिला, उसकी एक लिस्ट बना लेना, लिस्ट तो 25 की हो सकती है, पर आप 10-12 की बना लेना, बाबा ने सत्य ज्ञान देखकर भटकन को समाप्त कर दिया, बाबा ने दृष्टि देखकर जन्म-जन्म की थकान मिटा दी, बाबा का साथ मिला तो भय समाप्त हो गया, बाबा ने सुख भरा जीवन दिया, बाबा ने बहुत प्यार दिया, केवल गाते थे तुम प्यार के

सागर हो, अब उसने बहुत बड़ा प्यार, संपूर्ण प्यार दिया, एक-एक चीज के लिए उसे शुक्रिया करना , तो मन उसके प्यार में मग्न हो जाएगा, और ये बहुत सुंदर बात होगी, पूरे जीवन के लिए, संपूर्ण स्थिति बनाने के लिए, बाबा ने कभी कहा है, रोज सवेरे एक बार, स्वयं को बाबा के प्यार में मगन करो, उसका इफेक्ट बहुत भारी होगा, संस्कार बदल जाएंगे, विचार बदल जाएंगे, बाबा ने सरल जीवन सिखा दिया है, शक्तियाँ दी हैं, कलयुग के वातावरण से बचने के लिए, बहुत बुरा वातावरण है, विषय-विकारों की अग्नि जल रही है संसार में, लेकिन ये अग्नि हम तक नहीं आए, हमारी योग की अग्नि, इस अग्नि को शांत करने वाली हो जाए, हम रोज कम से कम दो बार, अपने चारों ओर शक्तियों का आभामंडल बनाएंगे, ओरा, विधि है, कम से कम पाँच बार याद कर लें, मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ, या परम पवित्र आत्मा हूँ, अंग-अंग से किरणें फैल रही हैं, शक्तियों की लाल, पवित्रता की गोल्डन, और मेरे चारों ओर आभामंडल बन गया है, एक मिनट उस आभामंडल में बैठ जाएँगे, चलिए अब ट्रैफिक कंट्रोल भी होगा, और हम ये सुंदर अभ्यास करेंगे, फील करें, मैं मास्टर सर्वशक्तिवान, स्वीकार कर लें, सर्वशक्तिवान

शिव बाबा से , शक्तियों की लाल किरणें , मुझ में समा रही हैं, और चारों ओर फैलकर, बहुत पावरफुल आभामंडल बना रही हैं, शक्तियाँ आ रही हैं, और मैं इस आभामंडल के बीच में हूँ, परमात्म शक्तियाँ मुझ में समा रही हैं, मेरे चारों ओर पावरफुल आभामंडल, जिसमें कलयुग की माया की कोई छाया पड़ नहीं सकती, तू है एक अविनाशी आत्मा, सुन लो मेरी आवाज़, संगम युग में परम पिताश्री कहते हैं ये राज, तू है एक अविनाशी आत्मा, सुन लो मेरी आवाज़, सुख, शांति और पावनता से भोले बन लो आज, योगी बनो, ज्ञानी बनो, योगी जीवन है प्यारा, परमधाम से आए हैं शिव, ब्रह्मा, धनु, आधार , मुक्ति और जीवन मुक्ति का जन्म सिद्ध अधिकार, परमधाम से आए हैं शिव, ब्रह्मा, धनु, आधार, मुक्ति और जीवन मुक्ति का जन्म सिद्ध अधिकार, चलना है, चलना है घर वापस अब तो यही ज्ञान का कार, योगी बनो, ज्ञानी बनो, योगी जीवन है प्यारा, योगी जीवन है प्यारा, योगी जीवन है प्यारा, सुंदर समय से हम गुजर रहे हैं, मुझे कई दिनों से बाबा की एक बात याद आ रही है, आप सब उसे जानते हैं, कि देवी-देवता धर्म की आत्माएँ, अर्थात हिंदू धर्म वाले, अनेक धर्मों में कन्वर्ट हो गए, और भगवान ने हमें बता दिया है, कि सभी

अब वापस अपने मूल धर्म में आएँगे, अब आप सोचो, करोड़ों-करोड़ों दूसरे धर्मों में गई हुई आत्माएँ, ब्राह्मण बनेंगी, हिंदू तो कहने में आता है, ब्राह्मण बनेंगी, कितना बड़ा रिवोल्यूशन, कितनी बड़ी रूहानी क्रांति इस धरा पर होगी, इसलिए वो दिन बिल्कुल समीप आ गए, जब आबू इस संसार में सबसे महान तीर्थ बनेगा, और भारत , इसकी ओर ही सब भागेंगे, भारत में आबू, भारत संसार को लाइट देने वाला, सत्य ज्ञान देने वाला, शांति का मार्ग दिखाने वाला, ऐसी एक विशाल क्रांति की ओर हम चल रहे हैं, ये साकार मूल्यों के महावाक्य हैं, दो बहुत अच्छे थे, बच्चे एक दिन आएगा, इस धरा पर रूहानी क्रांति हो जाएगी, स्पिरिचुअल रिवोल्यूशन, फिर कहा अंत में, इस धरा पर पवित्रता का रिवोल्यूशन हो जाएगा, हर धर्म की आत्मा पवित्र बनने की इच्छुक होगी, सभी दिल से कहेंगे मेरा बाबा, तब उन्हें मुक्ति का वरदान मिलेगा, जब तक उन्होंने भगवान को मेरा नहीं माना, मुक्तिधाम नहीं जाएँगे, वो उन्हें मानना ही है, इसलिए हम सबके ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत सारे सेवा केंद्र भी, लाइट हाउस, माइट हाउस, मैं तीसरा शब्द भी बोल रहा हूँ, पीस हाउस बन जाएँगे, और बाबा के ये तीनों स्थान, मुझे वो सब सीन बिल्कुल क्लियर है

विजन, यहाँ लोग आएँगे, और अनुभव करेंगे कहाँ आ गए, ये कौन सी दुनिया है, पांडव भवन में जाएँगे, साक्षात्कार होने लगेंगे, वहाँ का पानी पिएँगे, बीमारियों से मुक्त होने लगेंगे, ज्ञान सरोवर में जाएँगे, अलौकिक अनुभव होंगे, ये सब खेल बाकी है, होने वाला है, आपे ही नहीं होता, करना है हम सबको, हमारे वाइब्रेशन्स और बाबा के वाइब्रेशन्स मिलकर, ये महान कार्य इस धरा पर करेंगे, इसलिए आने वाले समय में, अपनी स्थिति को अचल अडोल बनाने के लिए, जो आजकल बहुत आ रहा है, धरामा के ज्ञान को बहुत अच्छी तरह यूज़ करना है, धरामा बहुत वंडरफुल बना हुआ है, इसकी गहराई को वही समझ सकते हैं, जिन्होंने अपनी बुद्धि को स्वच्छ किया है, और एक धारणा जो मैं हर क्लास में सुना चुका हूँ, आज फिर सुन लें, जो कुछ अब इस धरा पर होगा, अब से और अंत तक, उसे स्वीकार करना है, अपने को तैयार करें, अपनी मन बुद्धि को, अपने विचारों को, उल्टा-सुल्टा सब होगा, क्योंकि ये धरा खाली होने वाली है, बाबा साकार में कहा करते थे, 25-25 कोस पर दिया जलेगा, कोस होता था उन दिनों, फिर माइल आया, फिर किलोमीटर, यानी 50-50 किलोमीटर पर दीपक जलेगा, तो हम सभी उस चीज के लिए स्वयं को तैयार

करें, कि हमें सकाश देना है, स्वीकार करना है, और जाने वालों को अच्छे वाइब्रेशन्स देकर, बिना कष्टों के भेजने का संकल्प करना है, ये महान कर्तव्य हमारे हैं, सभी, एक गहरी बात और सुन लें, क्योंकि ये आखिरी मिलन है बाबा का, जो बहुत अच्छे पुरुषार्थी हैं, जो बहुत पवित्र हैं, जो अच्छी तरह योगयुक्त अपने को कर चुके हैं, उनको बाबा ने कहा, जब तक तुमने ब्राह्मणपन के कर्तव्य पूरे नहीं किए, तुम घर नहीं जा सकोगे, ले जाने वाले होंगे हम, राह दिखाने वाले होंगे हम, इसलिए अपनी स्थिति को अचल अडोल बनाना है, अचल अडोल के साथ साक्षी भाव में लाना है, सभी बहुत अच्छा अभ्यास रोज किया करें, अपने घर में बैठ के ही, सारे संसार की ओर नजर दौड़ाया करें, ये संसार का खेल कितना सुंदर चल रहा है, सभी आत्माएँ अपना-अपना पाठ बजा रही हैं, बहुत सुंदर एक संकल्प दिया बाबा ने, इस धरामा में किसी का कोई दोष नहीं है, आपके घर में, कोई आत्मा लेने आई है, कोई देने आई है, कोई अच्छी आत्माएँ आ गई हैं बहुत, कोई आपकी परीक्षा लेने आ गई है, यहाँ किसी का कोई दोष नहीं है, जिसके साथ जो कुछ हो रहा है, जो कुछ होगा, वो सब उसके कर्मों का ही फल होगा, किसी को दोष नहीं दिया जा सकता,

तो अपने को , बहुत अच्छी तरह तैयार करें, योगबल से, अपने विकर्मों को, समाप्त करना है, हम रोज सुनते हैं, लेकिन एक बात और, अपनी भावनाओं को भी सभी शुद्ध करें, ध्यान देंगे इस धारणा पर, आपके संपर्क में 50 लोग रहते हैं, 25 रहते हैं, टीचर बहनों के संपर्क में तो बहुत सारे होते हैं, 100, 200, 500, सबके लिए हमारी भावना श्रेष्ठ हो, दो चीजें करेंगे, ये सभी आत्माएँ बहुत अच्छी हैं, सब अच्छे हैं, कलयुग के अंत में, पाप अपनी चरम सीमा पर है, किसी में कुछ, किसी में कुछ है, लेकिन हम उनके मूल स्वरूप को देखेंगे, ये सभी आत्माएँ बहुत अच्छी हैं, पुण्य आत्माएँ हैं, देव कुल की आत्माएँ हैं, ये भाव हैं हमारे, जो हमारे अंदर वैर भाव हो जाता है, बदले का भाव हो जाता है, ईर्ष्या द्वेष का भाव हो जाता है, जो आत्मा को गिराता है, स्थिति को डाउन करता है, उसे ऊपर उठ जाएँ, हमें बाबा ने सद ज्ञान, सद विवेक दिया है, हम किसी से ईर्ष्या क्या करें, अपने को इतना महान बना दो, संसार आपसे ईर्ष्या करे, संसार आपको देखकर सीखे, संसार आपके कदमों पर आगे बढ़े, तो भावनाओं को श्रेष्ठ करेंगे, सभी बहुत अच्छा चिंतन करें, जिसने कष्ट भी दिया हो, जिसने आपको सताया हो, जिसने आपको धोखा दिया हो, अभी यहीं,

उसको क्षमा कर दो, और हमसे कोई भूल हो, मन ही मन क्षमा याचना कर लें, चलेंगे कुछ क्षणों के लिए, संकल्प करें, मैं इस सृष्टि की महान आत्मा, पूर्वज, ये सारा संसार हमारा परिवार, दिल से संकल्प करें, पूर्वज समझते हुए, पूर्व जन्मों में, मैंने जाने-अनजाने में जिसको भी कष्ट दिया हो, मैं आप सबसे सच्चे मन से, हाथ जोड़कर क्षमा चाहता हूँ, चाहती हूँ, आप प्रसन्न हों, दूसरा संकल्प करें, जिन्होंने मुझे कष्ट पहुँचाया हो, मेरी भावनाएँ तोड़ी हों, धोखा दिया हो, परेशानियाँ पैदा की हों, मैं पूर्वज, महान आत्मा, आप सभी को क्षमादान देती हूँ, आपको सद बुद्धि प्राप्त हो, ओम शांति, ये काम सभी , सात दिन कर लें, कोई ग्यारह दिन कर लें, कोई इक्कीस दिन कर लें, क्योंकि बैड एनर्जी आती रहती है, हमने देखा बहुत सारे केसेज में, समस्याओं के केस में, डिप्रेशन के केस में, हम उनसे अभ्यास कराते हैं, क्षमा याचना का, क्योंकि अगर हमारे द्वारा बहुतों को कष्ट मिला है, पूर्व में, या इस जन्म में, उनकी बैड एनर्जी , हमें सफल नहीं होने देती, उनकी बैड एनर्जी, हमें बीमारियों से मुक्त नहीं होने देती, उनकी बैड एनर्जी, हमें विघ्नों से परे नहीं जाने देती, क्षमा याचना करते ही, वो बैड एनर्जी रुक जाती है, चित्त शांत होता है, और

रास्ता साफ होने लगता है, मैं एक छोटा सा एक्सपीरियंस सुनाता हूँ, बहुत जल्दी, बहुत साल पहले, कोई विदेश की बहन, दादी जानकी के पास पहुँची, कि मैं तेरह बार मधुबन में आ चुकी हूँ, थर्टीन बार, लेकिन मुझे कोई अनुभव नहीं हुआ, अब दादी ने उसे मेरे पास भेज दिया, मैंने उसकी कहानी पूछी, तुम बचपन से कैसी रही हो, उसने फटाफट बता दिया, मेरी वृत्ति हिंसक थी, मैं दूसरों को कष्ट देना चाहती थी, मुझे समझ में आ गया, मैंने समझ लिया कि उसको, पूर्व जन्मों के, बैड एनर्जी, जो उसको आ रही है, वो उसे परमात्म सुख नहीं लेने देती, पाँच दिन थे बाबा को आने के, ज्ञान सरोवर में थी वो, मैंने उसे कहा, सवेरे और शाम, आप दिल से क्षमा याचना करो, और ये हिंसक भाव जो तुम्हारे मन में है, इसको निर्मल करो, और बहुत अच्छा अनुभव रहा उसको, जब वो चौदहवीं बार बाबा से मिली, तो बहुत सुखद, भरपूर अनुभव लेकर गई, तो हम सभी, क्षमा याचना , क्षमादान, अपनी भावनाओं को शुद्ध करना, अब, हम सबके गुड फ्रेंड हैं, आज से पक्का कर दो, हमारा इस संसार में कोई शत्रु नहीं, ये वाइब्रेशन्स, न केवल हमें बहुत ऊँचाई पर ले चलेंगे, लेकिन हम बाबा के समीप पहुँचेंगे, जो सबको अपना गुड फ्रेंड समझेंगे, वो बाबा को भी

अपना गुड फ्रेंड अनुभव करेंगे, और बहुत सुखद होगी हमारी ये जीवन की यात्रा, तो सभी , बहुत अच्छा पाठ बजाने के लिए, भविष्य की बातों का सामना करने के लिए, अब मेरे साथ-साथ चिंतन करें, कहीं भी उलझना नहीं है, देख लें आप अपने को आज, मेरा मन मैंने कहाँ उलझा दिया है, बातों में, टकराव में, तेरी-मेरी में, मोबाइल पर , गंदगी में, परिवारों की उलझन में, ठीक करेंगे उसे, और मैं आपको एक बात फिर आज फिर कह देता हूँ, अगर आप एक भी अपने परिवार में ज्ञान में हैं, एक पुण्य आत्मा जिस घर में हो, उसका बल, उसके पुण्यों का फल, पूरे परिवार को सफलता की मार्ग पर ले चलता है, मैंने तो ऐसी छोटी-छोटी कन्याएँ देखी, दसवीं में पढ़ने वाली, जो बहुत पवित्र, जिनकी स्थिति बहुत सुंदर, उसके कारण उनका परिवार सुखी, मैंने उनके परिवार को सिखाया, इसको कभी शादी के लिए नहीं कहना, ये तुम्हारे घर में देवी है, जब तक ये देवी रहेगी, तुम्हारा घर संपन्न रहेगा, सुख-शांति से भरपूर रहेगा, तो याद रखेंगे, आपकी एक-एक की स्थिति, आपके परिवार के लिए वरदान है, आपके परिवार के लिए बहुत बड़ा बल है, तो अब, धरामा के ज्ञान को यूज़ करते हुए, हम अपनी स्थिति को अचल अडोल बनाएंगे, और आज, बाबा की

नजर हम सब पर है, वो अपनी शक्तियों की, प्यार की, शांति की, पवित्रता की किरणें हम पर डाल रहे हैं, हम बहुत प्यार से उनका आह्वान करेंगे, और अब से और आठ बजे तक, उनकी उपस्थिति को अनुभव करेंगे, चलें कुछ क्षणों के लिए, बाबा की किरणें, ज्ञान सूर्य की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं, बहुत प्यार से बाबा को निमंत्रण दें, आह्वान करें, हे मेरे खुदा दोस्त, दोस्त बना लें आज से उसे, हे मेरे जीवन साथी, आपको पाकर हम धन्य-धन्य हो गए, अपना धाम छोड़कर, हमारे पास आ जाओ, अपने प्यारे बच्चों की प्यार भरी आवाज सुनकर, बाबा, शिव बाबा, अपनी किरणें डालते हुए नीचे उतरने लगे, अनुभव करें, किरणें पड़ रही हैं, बाबा नीचे आ रहे हैं, ब्रह्मा तन में प्रवेश करके हमारे सम्मुख आ गए, प्यार भरा हाथ, सिर पर रख दिया, उनका प्यार, जिसके लिए हम तरसते थे, तो वो संपूर्ण प्यार हमें दे रहे हैं, हाथ सिर पर है, थकान उतर रही है, चिंताएँ हर रहे हैं, बोझ सब ले रहे हैं, और बाबा दृष्टि देकर गए अपने धाम, ओम शांति, आपका ये वर्ष 2026, सुखों में बीते, लोग तो बहुत कुछ बोल रहे हैं, क्या-क्या हो जाएगा 2026 में, लेकिन हम तो बाबा के साथ हैं, उसकी छत्र छाया में सुरक्षित हैं, फिर से सुन लें,

जो उसके सच्चे बच्चे होंगे, जिन्होंने उसके लिए कुछ भी किया होगा, उसकी आज्ञाओं पे चले होंगे, उन्हें कोई कमी नहीं पड़ेगी, संसार का हाल दूसरा, बाबा के बच्चों का हाल दूसरा होगा, मैं तो कहा करता हूँ, आप बाबा का आह्वान करने की प्रैक्टिस कर लो, अगर मिसाइल पड़ रही है, आपके पास पड़ेगी नहीं, दूर चली जाएगी, ये होने जा रहा है, और याद रखेंगे लास्ट बात, हम सभी पवित्र आत्माओं के संकल्पों में, अथाह शक्ति है, मास्टर सर्व शक्तिवान का अभ्यास करते हुए, इस शक्ति को बढ़ाते चलेंगे, और अगर कहीं कुछ हो रहा है, ऐसा युद्ध होने लगे, वैसे भारत में होगा नहीं, आप मास्टर सर्व शक्तिवान का अभ्यास करके, संकल्प करना, हमारा घर, हमारा आसपास का एरिया, सब सेफ रहेगा, सेफ ही रहेगा, ये हमारे मन की बहुत बड़ी शक्ति है, अपने मन की शक्ति का प्रयोग करना जीवन में, लेकिन मास्टर सर्व शक्तिवान के साथ, और आत्मिक स्वरूप में स्थित होकर, सबके सारे संकल्प सिद्ध होंगे, सफल होंगे, आज का ये मिलन, हम सभी के लिए वरदान होगा, बाबा जो कुछ कहे, उसका साथ-साथ आनंद लेते जाना, और फील करना, उसकी एनर्जी भी, साथ-साथ हम में भर रही है, अब हम, बिल्कुल पावरफुल योग करेंगे, संसार को योगदान जाए,

वाइब्रेशन्स जाए, सीधे चलेंगे परमधाम में, सर्व शक्तिवान के साथ, ओम शांति.